

फागुण आयो रे | By Varsha Soni |

महिना फागन को
दादी जी म्हासू
हँस बतलाले रे
महिना फागन को
हँस बतलाले
हँस बतलाले
हँस बतलाले रे
महिना फागन को

रंग अबीर गुलाल उड़ावा
होली खेलने आया रे
होली को त्योहार अनोखो
रंग जमा ले रे
महिना फागन को

गीत सुरिला गूँजे देखो
चंग सुरिला बाजे रे
तरस रही हैं अंखियाँ
तू एक बार मिलाले रे
महिना फागन को

मत मतवालो तरस रह्यो है
क्या मैं छुप कर बैठी रे
होली खेलने आया दादी
तू तो रंग लगा रे
महिना फागन को

आंख मिचोली छोड़ के दादी
बेगी बेगी आजा रे
शिव सुभोध ताबरिया साथे
वर्षा सुनीता बारिया साथे
रंग उड़ा ले रे
महिना फागन को

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%a3-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-varsha-soni/>